सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 193 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 23 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

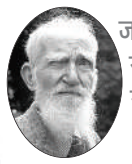

जो अपना दिमाग नहीं बदल सकते वे कुछ भी नहीं बदल सकते।
-जार्ज बर्नार्ड शा

मनीष सिसोदिया के खुलासे के बाद सदमे... 7 | यूपी : सियासी जमीन मजबूत करने... 3 | विपक्ष की आवाज दबाने को भाजपा... 2

मंत्री टेनी ने कहा, दो कौड़ी का आदमी है राकेश टिकैत

टिकैत बोले, लखीमपुर कांड के गवाहों को धमका रहे टेनी, कोर्ट ले संज्ञान

» समर्थकों के बीच केंद्रीय गृहराज्य मंत्री ने टिकैत के खिलाफ किया अभद्र भाषा का इस्तेमाल, वीडियो वायरल

» राकेश टिकैत का ऐलान, लखीमपुर में गुंडा राज, चलाएंगे मुक्ति अभियान

» पिछले दिनों हुए किसानों के धरने से नाराज हैं मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में किसानों के धरने के दौरान बीते वर्ष हुई हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के मामले में फजीहत झेल रहे केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। वायरल वीडियो में वे किसान नेता राकेश टिकैत के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करते दिखे। लखीमपुर खीरी में सयुंक्त किसान मोर्चा के तीन दिवसीय धरने के बाद अजय मिश्रा टेनी ने भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसान नेता राकेश टिकैत को दो कौड़ी का आदमी बताया। इस पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि मंत्री लखीमपुर कांड के गवाहों को डरा-धमका रहे हैं। इस पर कोर्ट और पुलिस को संज्ञान लेना चाहिए।

सोमवार को समर्थकों के सामने केंद्रीय मंत्री टेनी ने कहा कि राकेश टिकैत को मैं बहुत अच्छी तरह से जानता हूं, वो दो कौड़ी का आदमी है। कई बार होता है कि कुत्ते सड़क पर भौंका करते हैं, कई बार गाड़ी के पीछे दौड़ा करते हैं। यह उनका स्वभाव होता है तो इसके लिए मैं कुछ नहीं कहूंगा। जिसका जो स्वभाव होता है उसके अनुरूप वह व्यवहार करता है लेकिन हमारे लोगों का ऐसा स्वभाव नहीं है। राकेश टिकैत की इसी से राजनीति चलती है, इसी से उनकी रोजी रोटी चलती है तो वह चलाएं। समय पर उसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सबकी ताकत की वजह से मैं आप लोगों को निराश नहीं होने दूंगा। राकेश टिकैत दो बार चुनाव लड़ा और हार गया तो ऐसा व्यक्ति जब किसी का विरोध करता है तो उसका कोई मतलब नहीं होता और ऐसे व्यक्ति को जवाब देना भी मैं उचित नहीं समझता। मैंने अपने जीवन में कोई गलत काम नहीं किया, जिससे दुनिया की कोई ताकत आपको निराश नहीं कर सकती। गृहराज्य मंत्री टेनी के इस बयान पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हम छोटे आदमी है। उसका लड़का एक साल से जेल में बंद है, गुस्सा तो आएगा ही। हम जो भी काम करते हैं वह जमीन पर करते हैं। एक मुक्ति अभियान चलाएंगे। लखीमपुर में गुंडा राज है। वहां मुक्ति अभियान चलाएंगे। इस बार तीन दिन रहे, अगली बार तेरह दिन रहेंगे। विवादित बयान देने के कारण ही लखीमपुर की घटना घटी थी। वे 120 बी के मुल्जिम है। यदि ऐसा मुल्जिम खुलेआम घूमेगा तो दहशत रहेगी और लखीमपुर कांड की जांच को भी प्रभावित करेगी। कोर्ट और पुलिस को इसका संज्ञान लेना चाहिए। इनको जिला या राज्य से बाहर रहने का आदेश देना चाहिए। वे लखीमपुर कांड के गवाहों को डरा-धमका रहे हैं। इससे जांच प्रभावित होगी।

मीडिया पर भी साधा निशाना

केंद्रीय गृहराज्य मंत्री टेनी ने कहा कि मैं सच के लिए लड़ रहा हूं। सत्य कभी हारता नहीं है। कई पत्रकार भी अपने यहां के हैं, बेवकूफ टाइप के पत्रकार हैं जो अपने को पत्रकार कहते हैं और उल्टी सीधी बातें करते हैं, अपने को पत्रकार कहते हैं, पत्रकारिता से उनका कोई लेना-देना नहीं होता। ऐसे लोग भ्रम फैलाते हैं।

क्या था लखीमपुर का मामला

लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में विरोध प्रदर्शन के दौरान पिछले साल तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। चार किसानों को कुचलकर मारने का आरोप गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा पर लगा है। इस मामले में आशीष फिलहाल जेल में है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, बेनामी संपत्ति मामले में तीन साल की सजा रद्द

» धारा 3 (2) को बताया असंवैधानिक, पिछली तारीख से नहीं लागू होगा संपत्ति जब्त करने का अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बेनामी लेन-देन अधिनियम को लेकर बड़ा फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेनामी संपत्ति लेन-देन (निषेध) अधिनियम 1988 की धारा 3 (2) असंवैधानिक है। यह धारा मनमानी है। इसके साथ ही बेनामी संपत्ति के लिए तीन साल की सजा का कानून रद्द हो गया।

कोर्ट ने यह भी कहा कि संपत्ति जब्त करने का अधिकार पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। पुराने मामलों में 2016 के कानून के तहत कार्रवाई नहीं होगी। बेनामी लेन-देन (निषेध) अधिनियम की धारा 3 (2) में कहा गया है कि जो कोई भी बेनामी लेनदेन में शामिल है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमन, जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली की एक पीठ ने यह फैसला सुनाया। कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार ने एक याचिका दाखिल की थी। पीठ ने कहा है कि 1988 के एक्ट के अनुसार ही 2016 में लाए गए अधिनियम के सेक्शन 3(2) को भी असंवैधानिक करार दिया गया है, क्योंकि यह संविधान के आर्टिकल 20(1) का उल्लंघन करता है।

रेवड़ी कल्चर पर बोला सुप्रीम कोर्ट

क्या आता है मुफ्तखोरी के दायरे में, इस पर बहस जरूरी

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों की ओर से मुफ्त सुविधाएं देने के वादे पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि गरीबी के दलदल में फंसे इंसान के लिए मुफ्त सुविधाएं और चीजें देने वाली स्कीमें महत्वपूर्ण हैं। सवाल यह है कि इस बात का फैसला कौन लेगा कि क्या चीज मुफ्तखोरी के दायरे में आती है और किसे जनकल्याण माना जाएगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम चुनाव आयोग को इस मामले में अतिरिक्त शक्ति नहीं दे सकते। कल भी इस मामले पर सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि मुफ्त उपहार एक अहम मुद्दा है और इस पर बहस किए जाने की जरूरत है। सीजेआई एनवी रमन ने कहा, मान लीजिए कि अगर केंद्र सरकार ऐसा कानून बनाती है जिसके तहत राज्यों को मुफ्त उपहार देने पर रोक लगा दी जाती है, तो क्या हम यह कह सकते हैं कि ऐसा कानून न्यायिक जांच के लिए नहीं आएगा। ऐसे में हम देश के कल्याण के लिए इस मामले को सुन रहे हैं। एससी में इस मामले को लेकर दायर अश्विनी उपाध्याय की अर्जी पर सुनवाई हुई, जिसमें चुनाव में मुफ्त सुविधाओं का वायदा करने वाली राजनीतिक पार्टियों की मान्यता रद्द करने की मांग की गई है।

गरीबों के लिए मुफ्त की स्कीमें अहम कल भी होगी सुनवाई

बिलकिस बानो के दोषियों की रिहाई का मामला पहुंचा शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। बिलकिस बानो के दोषियों की जेल से रिहाई का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करने की बात कही है। चीफ जस्टिस एनवी रमन ने कहा, हम इस मामले की लिस्टिंग को लेकर विचार करेंगे। इस बीच बिलकिस बानो केस की जांच करने वाले रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी विवेक दुबे ने कहा कि 14 साल के बाद 11 दोषियों की रिहाई ने दिखाया है कि उनमें सुधार आ गया था। इसके साथ ही उन्होंने दोषियों की रिहाई का विरोध करने वालों पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना संविधान की भावना के खिलाफ है। विवेक दुबे सीबीआई के जॉइंट डायरेक्टर थे, जिसने बिलकिस बानो गैंगरेप केस की जांच की थी। इस केस की जांच का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। उनकी टीम ने ही इस मामले की जांच की थी और उसके आधार पर ही 12 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

अब पांच जजों की संविधान पीठ करेगी शिवसेना पर फैसला

नई दिल्ली। शिवसेना पर अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज एक बार फिर से सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शिंदे गुट और उद्धव खेमा की तरफ से दलीलें दी गईं। दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे द्वारा असली शिवसेना पार्टी के रूप में मान्यता देने और उसे धनुष और तीर का चुनाव चिन्ह आवंटित करने के लिए दायर आवेदन पर गुरुवार तक कोई कार्रवाई न करे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को पांच जजों की संविधान पीठ को सौंप दिया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब संविधान पीठ तय करेगी कि क्या स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव लंबित हो तो वह अयोग्यता पर सुनवाई कर सकते हैं। पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र और उसमें चुनाव आयोग की भूमिका पर भी संविधान पीठ को विचार करे।

विपक्ष की आवाज दबाने को भाजपा सरकार लगा रही झूठे मुकदमे : अखिलेश

» आजमगढ़ के कारागार में रमाकांत यादव से मुलाकात के बाद साधा निशाना

» गरीबी, महंगाई और बेकारी से ध्यान भटका रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को आजमगढ़ के मंडलीय कारागार में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रमाकांत यादव से मुलाकात करने के बाद भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर लगातार रमाकांत यादव के खिलाफ झूठे मुकदमे लगाए जा रहे है। सरकार चाहती है कि वह जेल से बाहर न आने पाएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष पर झूठे आरोप लगा रही है। भाजपा की तमाम गलत कार्यवाहियों के पीछे प्रशासन है। भाजपा सरकार गरीबी, महंगाई और बेकारी पर बात नहीं करना चाहती है। जानबूझकर जनता का ध्यान भटकाने और विपक्ष के नेताओं की आवाज को दबाने के लिए ये लोग चिह्नित कर झूठे मुकदमे लगाकर जेल भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1 लाख 13 हजार नौजवानों ने अग्निवीर बनने के लिए आवेदन किया है।

सरकार बताए इसमें कितनों को नौकरी मिलेगी? जितने नौजवानों ने आवेदन किया है उसमें से 1 लाख 10 हजार नौजवान घर वापस आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए। किसानों के बिजली के बिल माफ होना चाहिए। बिजली बिल वसूली के लिए छापेमारी कर किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है। भाजपा सरकार में किसान परेशान हैं। उसके बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। सूखा-बाढ़ से प्रभावित किसान कर्ज में डूब रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 2024 में आजमगढ़ सीट जनता के समर्थन से बड़े बहुमत के साथ वापस आ जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग की है। गौरतलब है कि रमाकांत यादव जनपद के फूलपुर विधान सभा क्षेत्र से विधायक है।

केशव के समर्थन में आए स्वतंत्र देव

» अब मंत्री भी बोले, संगठन से सरकार बनती है, सरकार से संगठन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के 'संगठन सरकार से बड़ा होता है' बयान से खलबली मचने के बाद अब प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने भी कहा है कि संगठन से सरकार बनती है, सरकार से संगठन नहीं। संगठन से सरकार में गए इन मंत्रियों ने मौर्य के बयान का समर्थन किया है। इनमें जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह सहित करीब आधा दर्जन मंत्री ऐसे हैं जो भाजपा में पदाधिकारी भी हैं। स्वतंत्र देव ने कहा कि संगठन सरकार से बड़ा होता है।

सरकार और संगठन का काम जनता का कल्याण और प्रदेश का विकास करना है। सरकार तो संगठन का बाय प्रोडक्ट है। सरकार तो कभी रहती है कभी नहीं रहती है, लेकिन संगठन सदैव रहता है। संगठन के कारण ही सरकार बनती है। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह कहते हैं कि सरकार का काम अलग है, संगठन का अलग है। पार्टी विचारधारा पर चलती है, इसलिए वह बड़ी है। सरकार व संगठन में कोई टकराव नहीं है। संगठन पूरे देश का होता है, सरकार एक प्रदेश की होती है। सरकार में संगठन का दखल नहीं है, संगठन में सरकार का दखल नहीं है। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मौर्य के बयान से पूरी पार्टी सहमत है। सत्ता का सृजन संगठन से होता है। सरकार से संगठन का सृजन नहीं होता है। संगठन से ही सरकार बनती है, इसलिए केशव का बयान बिल्कुल ठीक है।

बृजभूषण शरण अपराध स्वीकार करें तो कार्यवाही समाप्त की जाए : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को आदेश दिया है कि अगर वह आत्मसमर्पण कर अपराध स्वीकार करते हैं तो उन्हें कारावास की सजा देने के बजाय जुर्माना लगाया जाए व कार्यवाही को समाप्त कर दिया जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने सांसद की याचिका पर दिया। याची के विरुद्ध गोंडा के कोतवाली नगर थाने में वर्ष 2014 में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने धारा 144 का उल्लंघन करते हुए लोकसेवक के आदेश की अवहेलना की और सदोष अवरोध उत्पन्न किया। मामले में विवेचना के बाद पुलिस ने सांसद के खिलाफ निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। इस पर एसीजेएम प्रथम गोंडा ने 22 जनवरी 2018 को बृजभूषण शरण सिंह को हाजिर होने के लिए समन आदेश जारी किया था। बृजभूषण ने आरोप पत्र व समन आदेश को चुनौती दी गई है। धारा 141 के तहत एक माह के कारावास अथवा पांच सौ रुपये जुर्माना अथवा दोनों की सजा को देखते हुए याची की ओर से प्रार्थना की गई कि वह 10 दिनों के भीतर संबंधित अदालत के समक्ष हाजिर होकर अपराध स्वीकार कर लेगा।

आजम खां की मुश्किलें फिर बढ़ी, 26 को होगी सुनवाई

» विधायक अब्दुल्ला के मामले में नहीं हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। शहर विधायक आजम खां के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के मुकदमे में सोमवार को सुनवाई हुई। अब अदालत ने इस मामले में 26 अगस्त नियत की है। एससी-एसटी एक्ट का अभियोग वर्ष 2007 में टांडा थाने में पंजीकृत हुआ था। विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए आजम खां द्वारा टांडा में जनसभा की गई थी। बसपा के नेता रहे धीरज कुमार शील ने आजम खां के खिलाफ जनसभा को संबोधित करते समय जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते करने का आरोप लगाया था।

पुलिस ने विवेचना के बाद कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी थी। अब इसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (सेशन ट्रायल) में चल रही है। वादी की मृत्यु हो चुकी है। दूसरी ओर सोमवार को यतीमखाना प्रकरण के दो और डूंगरपुर प्रकरण में तीन मामलों की भी सुनवाई हुई। अदालत ने यतीमखाना प्रकरण के मामलों में 29 और डूंगरपुर प्रकरण के मामलों में 30 अगस्त तय की हैं। उधर, विधायक अब्दुल्ला के खिलाफ सोमवार को पासपोर्ट और पैन कार्ड मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। हालांकि दोनों मुकदमों में गवाह सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार कोर्ट आए थे, लेकिन अधिवक्ता न्यायालय में कार्य करने नहीं गए। अदालत ने अब इस मामले में पहली सितंबर सुनवाई के लिए नियत की है। अब्दुल्ला के खिलाफ भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने अलग-अलग जन्मतिथि के दो पैन कार्ड और दो पासपोर्ट बनाने के आरोप में अभियोग पंजीकृत कराया था, जिसकी सुनवाई चल रही है। उधर, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर खां भी पुलिस अभिरक्षा में मुरादाबाद जेल से यहां आए थे। उन्हें भी पुलिस वापस ले गई। शहर विधायक आजम खां के खिलाफ भी पांच दिन पहले दो मुकदमों के वादियों को धमकाने के मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। पुलिस इन मामलों की विवेचना में जुटी है। सपाइयों ने भी एसपी और डीआइजी से मिलकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। पुलिस ने अब सुबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं।

अभी जेल में ही रहेगा गालीबाज श्रीकांत त्यागी

» 14 दिनों के लिए और बढ़ी न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। यूपी के नोएडा सेक्टर 93-बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में महिला से अभद्रता करने के मामले में गिरफ्तार आरोपी श्रीकांत त्यागी को अभी जेल में ही रहना होगा। क्योंकि गालीबाज त्यागी की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए और बढ़ा दी गई है। सोमवार को श्रीकांत त्यागी की पेशी सूरजपुर कोर्ट में हुई थी।

पेशी के दौरान ही 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई। बता दें कि इससे पहले 9 अगस्त को स्थानीय अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। श्रीकांत त्यागी की बीते दिनों जमानत अर्जी भी खारिज हो गई थी। कोर्ट के आदेश के मुताबिक श्रीकांत त्यागी मामले में पुलिस को 90 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद ट्रायल यानी सुनवाई शुरू होगी। फिलहाल 26 तारीख को श्रीकांत की बेल पर सुनवाई होनी है। पुलिस की मानें तो 34 साल के श्रीकांत त्यागी को बीते दिनों नोएडा पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार किया था. श्रीकांत त्यागी नोएडा स्थित सोसाइटी में एक महिला के साथ पांच अगस्त को मारपीट करने और उत्पीड़न करने के आरोप में जेल में है।

यूपी : सियासी जमीन मजबूत करने की तैयारी में सुभासपा, बनायी रणनीति

» सभी जिलों में करेंगे जनसभाएं, लखनऊ से यात्रा निकालेगी पार्टी

» पूर्वांचल से लेकर बुंदेलखंड तक दर्ज कराएगी उपस्थिति

गीताश्री

लखनऊ। सपा गठबंधन से नाता तोड़ने के बाद अब सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गए हैं। लोक सभा चुनाव से पहले सुभासपा पूरे प्रदेश में सभाएं करने की तैयारी कर रही है। इसके जरिए वह एक ओर जातीय समीकरण साधेगी तो दूसरी ओर चुनाव से पहले बेहतर भागीदारी के जुगाड़ में है।

विधान सभा चुनाव के बाद सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) अब पूरे प्रदेश में पैर जमाने की जुगत में है। सुभासपा पूरब से लेकर पश्चिम और मध्यांचल से लेकर बुंदेलखंड तक पार्टी के लिए ऊसर समझी जाने वाली जमीन पर सियासी बीज अंकुरित करने की तैयारी कर रही है। सुभासपा आगामी 26 सितंबर को लखनऊ से चार यात्राएं निकालेगी। ये यात्राएं पूर्वांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल व बुंदेलखंड सहित यूपी के सभी 75 जिलों मे घूमेंगी। इसका समापन पार्टी

के स्थापना दिवस पर 27 अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में सावधान महारैली कर होगा। इस महारैली में सुभासपा जातिगत जनगणना के मुद्दे पर नीतीश व तेजस्वी यादव की सरकार के खिलाफ बिगुल भी फूकेंगी। गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव में सपा गठबंधन का मुख्य घटक दल सुभासपा रही थी। वहीं इस गठबंधन के स्टार प्रचारक भी ओमप्रकाश राजभर रहे। ओमप्रकाश राजभर के सियासी प्रभाव का असर न सिर्फ गाजीपुर जिले में दिखा बल्कि पूर्वांचल के कई अन्य जिलों आजमगढ़, मऊ, बलिया, जौनपुर आदि में भी इसका लाभ गठबंधन को मिला। यहां तक कि जनपद की सात सीटों में से पांच सपा और दो सुभासपा को मिली। खुद ओमप्रकाश राजभर जहूराबाद से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। प्रदेश में सरकार बनाने का दावा करने वाले राजभर ने विधान सभा चुनाव में हार का ठीकरा सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर फोड़ा था। आजमगढ़ और रामपुर में लोक सभा के उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों की हार के बाद तो राजभर ने खुलकर सपा मुखिया के वातानुकूलित कमरे की राजनीति को लेकर कटाक्ष करना शुरू किया। सपा अध्यक्ष को नागवार गुजरा तो उन्होंने भी राजभर से गठबंधन तोड़ दिया। सुभासपा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने कहा कि रैली का समापन पार्टी के 20 वें स्थापना दिवस पर पटना में होगा क्योंकि नीतीश कुमार जातिगत जनगणना को लेकर कहते रहे हैं कि भाजपा सरकार नहीं होने दे रही है। अब तो वह राजद के साथ सत्ता में है। जातिगत जनगणना कराएं और जिसकी जितनी संख्या, उसे उतनी भागीदारी दिलाएं।

सहयोगी पर अभी नहीं खोले पत्ते

सपा गठंबधन से अलग होने के बाद अभी तक राजभर ने आगामी राजनीतिक को लेकर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन संगठन को विस्तार देने में जुटे हैं। अब उनका पूरा ध्यान सुभासपा को उत्तर प्रदेश और बिहार में मजबूत करने पर है। इसको लेकर वह 26 सितंबर को मुख्यमंत्री चौराहा से यात्रा का आगाज करेंगे। यात्रा की पहली रैली आंबेडकर नगर में होगी। इसके बाद बनारस व गाजीपुर में होगी।

बनाए प्रभारी बनाए

सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि प्रदेश में चार टीमें बनाई गई हैं, जो प्रदेश में घूमकर पार्टी की नीतियां बताएंगी। राष्ट्रीय महासचिव प्रमुख डा. अरविंद राजभर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सालिक यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलिराज राजभर व प्रदेश अध्यक्ष प्रेमचंद कश्यप इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे।

प्रदेश में कांग्रेस का कायाकल्प करने की कवायद, अनुभवी और युवाओं पर फोकस

» केंद्रीय ढांचे में प्रियंका को मिल सकती है महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से यूपी कांग्रेस का प्रभार वापस लिया जा सकता है। इस पर पार्टी हाईकमान गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्हें पार्टी के केंद्रीय ढांचे में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने की योजना बनाई जा रही है। अगले महीने पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन या चुनाव के साथ ही देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में भी पार्टी को नया स्वरूप देने की रणनीति बनाई गई है। प्रियंका को गत लोक सभा चुनाव के पहले यूपी का प्रभार सौंपा गया था। गांधी परिवार के किसी सदस्य को पहली बार एक राज्य की जिम्मेदारी दी गई थी।

इसके पीछे की मंशा यह थी कि प्रियंका की सक्रिय उपस्थिति यूपी में पार्टी की स्थिति बदल देने में सक्षम होगी। लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर माना गया कि उन्हें तैयारी के लिए कम वक्त मिला लेकिन विधान सभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन और भी खराब रहा। कांग्रेस की ऐतिहासिक पराजय के बाद प्रियंका की टीम को लेकर स्थानीय कांग्रेसियों में असंतोष भी सार्वजनिक हुआ। सूत्रों के मुताबिक हाईकमान का मानना है कि विभिन्न कारणों से देश के तमाम दूसरे हिस्सों की तरह ही उत्तर प्रदेश में भी यह दौर उसके अनुकूल नहीं है। ऐसे में प्रियंका जैसी अहम शख्सियत को किसी एक राज्य तक सीमित करना उचित नहीं होगा। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने के अनुरोध के साथ कहा कि अब अगर यूपी में पार्टी को खड़ा करना है तो प्रदेश कमेटी को संतुलित स्वरूप में लाना होगा। मसलन, अनुभवी लोगों के साथ ऊर्जावान युवाओं को आगे करना होगा। साथ ही जब फल बंटने का समय आए तो बार-बार लाभ पाने वाले कृपा पात्रों के स्थान पर इन ऊर्जावान लोगों को ही अवसर देना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लंबे समय के लिए टले नहीं

कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 21 अगस्त से शुरू होकर 20 सितंबर तक पूरी होनी थी। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है लेकिन चुनाव की तारीख की घोषणा केंद्रीय कार्यसमिति करेगी। सूत्रों के अनुसार ऐसे में इस बात की प्रबल संभावना है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का चयन नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के बार में निर्णय के बाद ही हो। यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लंबे समय के लिए टले नहीं। हालांकि प्रियंका और उनकी टीम की यह कोशिश है कि जल्द ही उत्तर प्रदेश में नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित हो जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए छत्तीसगढ़ के प्रभारी पीएल पुनिया, राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, वाराणसी के पूर्व सांसद राजेश मिश्रा के नामों की चर्चा है। पार्टी में मंथन हो रहा है कि बीते चुनाव में हुए प्रयोगों के बाद उप्र की कमान एक ऐसे अनुभवी और निष्ठावान कार्यकर्ता को सौंपी जाए जो सबको साथ लेकर चल सके।

यूपी कांग्रेस के नए अध्यक्ष पद के लिए थोड़ा और इंतजार

पिछले पांच महीने से खाली उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर नए ओहदेदार के बैठने का बेशक पार्टी कार्यकर्ता बेसब्री से इंतजार कर रहे हों लेकिन इस बारे में कोई फैसला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के बारे में कोई निर्णय होने के बाद ही लिए जाने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में 18वीं विधान सभा का चुनाव कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में लड़ा गया था। प्रियंका के इशारे पर बूथ स्तर से लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जिस तरह बदलाव किये गए। पुराने और विश्वस्त कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर नए चेहरों को संगठन में तरजीह दी गई। नए प्रयोगों के साथ अनुभवहीन लोगों को चुनाव मैदान में उतारा गया, उसकी कीमत पार्टी ने चुनाव में अपना निम्नतम प्रदर्शन कर चुकाई। कांग्रेस नेतृत्व को मालूम है कि पार्टी के इस हश्र के लिए कौन जिम्मेदार है लेकिन फिलहाल वह इसमें उलझना नहीं चाहता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चीन के प्रति बनानी होगी स्पष्ट नीति

भारत के खिलाफ चीन की पैंतरेबाजी जारी है। एक ओर वह श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह में भारत की आपत्ति के बावजूद अपना जासूसी जहाज भेजता है तो दूसरी ओर उसकी नजर अरुणाचल प्रदेश पर है। लद्दाख सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन समझौते को नहीं मान रहा है, बेहद गंभीर मसला है।

भारत के खिलाफ चीन की पैंतरेबाजी जारी है। एक ओर वह श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह में भारत की आपत्ति के बावजूद अपना जासूसी जहाज भेजता है तो दूसरी ओर उसकी नजर अरुणाचल प्रदेश पर है। लद्दाख सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन समझौते को नहीं मान रहा है, बेहद गंभीर मसला है। इससे साफ है कि अब भारत को चीन के साथ अपनी परंपरागत नीति छोड़ने का वक्त आ चुका है। भारत को उस पर कूटनीति के साथ रणनीतिक दबाब बनाना होगा। सवाल यह है कि भारत की तमाम कोशिशों के बावजूद चीन रिश्तों को सुधारने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रहा है? लद्दाख सीमा पर चीनी फौजों की बढ़ती संख्या और हिमाचल से लगती सीमा पर तेजी से बढ़ रहे चीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर को क्या हल्के में लिया जा सकता है? क्या विदेश मंत्री को चीन के बढ़ते खतरे का आभास होने लगा है? क्या चीन और भारत के बीच एक और युद्ध की भूमिका तैयार हो रही है? क्या भारत को चीन की चालबाजियों का जवाब तिब्बत की स्वतंत्रता और ताइवान का खुलेआम पक्ष लेकर नहीं किया जाना चाहिए?

दो साल पहले लद्दाख की गलवान घाटी में हुई खूनी झड़प के बाद चीन से रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे हैं। पहली बार सीमा पर इतनी बड़ी संख्या में दोनों देशों की सेनाएं तैनात हैं। कई दौर की वार्ता के बाद भी चीन समझौते का पालन करने को तैयार नहीं है। यही नहीं वह भारत से सटी सीमाओं पर न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर रहा है बल्कि यहां गांव के गांव बसा रहा है। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ मिलकर भारत को घेर रहा है। हाल में उसने श्रीलंका में जासूसी युद्धपोत भेजा है। यह युद्धपोत दक्षिण भारत के हमारे तमाम महत्वपूर्ण संयंत्रों पर नजर रख रहा है। इसमें दो राय नहीं की वह हमारे परमाणु संयंत्रों आदि की जानकारी भी जुटाने की कोशिश कर रहा हो। दरअसल, चीन भारत से शांति चाहता ही नहीं है। उसकी रणनीति है कि भारत सीमा पर सेनाएं तैनात रखे ताकि राजकोष पर बोझ बढ़े और देश का विकास प्रभावित हो। इसके अलावा चीन में महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है और वहां जनता सड़कों पर उतर आई है। इससे वह परेशान है और देश का ध्यान भटकाने के लिए ताइवान, अमेरिका और भारत से तनाव बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। लिहाजा भारत को चीन से न केवल सतर्क रहने बल्कि उसके प्रति परंपरागत नीति को बदलने की जरूरत है। उसे वैश्विक स्तर पर तिब्बत की स्वतंत्रता और ताइवान का पक्ष लेकर चीन पर दबाव बढ़ाना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दक्षिण में बदलते सियासी हालात

आर राजागोपालन

छह दक्षिणी राज्यों, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पुदुचेरी में अलग-अलग पार्टियां सत्ता में हैं। राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के चुनाव में जिन पार्टियों कांग्रेस, डीएमके, टीआरएस, सीपीएम ने विजयी उम्मीदवारों का समर्थन नहीं किया, उन्हें बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। राहुल गांधी पर इनकी निर्भरता भी अचरज की बात है और उनका कांग्रेस अध्यक्ष बनने से इनकार भी इन क्षेत्रीय पार्टियों के लिए एक धक्का है। कांग्रेस भी लगातार कमजोर हो रही है।

दक्षिण भारत के सभी क्षेत्रीय दल श्रीलंका में रुके चीन के खुफिया जहाज की जासूसी से संरक्षण चाहते हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने या तो केंद्र को पत्र लिखा या केंद्रीय नेताओं से मिलकर इसरो, कुडनकुलम संयंत्र, कोच्चि बंदरगाह, बंगाल की खाड़ी में तैनात परमाणु पनडुब्बियों जैसे स्थानों की चीनी जासूसी पर विरोध जताया है अगर श्रीलंका में संकट बना रहता है, तो शरणार्थियों की समस्या आ सकती है तथा प्रतिबंधित लिट्टे जैसे संगठनों के अतिवादी व समर्थक आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के बंदरगाहों तक नाव से पहुंच सकते हैं। दक्षिणी राज्यों के मतदाताओं ने छह पार्टियों को ताकतवर जरूर बनाया है, पर वे सभी केंद्र सरकार के निकट आना चाहते हैं ताकि उनके राज्यों को आर्थिक पैकेज, अतिरिक्त अनुदान, परियोजनाओं के लिए मदद मिल सके। जब यूपी में योगी आदित्यनाथ दूसरी बार चुने गये तो दक्षिणी राज्यों में भाजपा के प्रति धारणा में व्यापक बदलाव आया। उस जनादेश से यह संकेत गया कि हिंदी पट्टी में मोदी-योगी डबल इंजन के असर को तोड़ा नहीं जा सकता। इससे दक्षिण के मतदाताओं का रूझान भी बदल रहा है। चार पार्टियां डीएमके, वाईएसआर कांग्रेस, सीपीएम और टीआरएस नरेंद्र मोदी और भाजपा का जम कर विरोध करते हैं। इनको लगता था कि भाजपा उत्तर प्रदेश हार जायेगी और 2024 में विरोधी दलों को जनादेश मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किये जा रहे डिजिटल बदलाव, कोरोना महामारी का अच्छा प्रबंधन, मोदी शासन में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं होना जैसे कारकों से युवाओं की सोच बदलने लगी है। क्षेत्रीय दल 2023 गुजरने के इंतजार में है। तब तक दक्षिण के मुख्यमंत्री मोदी के करीब दिखना चाहते हैं। कभी स्टालिन की पार्टी डीएमके ने काले झंडों और गुब्बारों से मोदी का विरोध किया था तथा उत्तर भारतीय विरोधी माहौल बनाया था, पर उत्तर प्रदेश के नतीजे के बाद यह सब बदल

गया। स्टालिन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के उद्घाटन के लिए पीएम को आमंत्रित किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए चार दिन दिल्ली रहे पर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। लगभग सभी क्षेत्रीय दलों ने प्रधानमंत्री के विरुद्ध अभद्र भाषा बोलना कम कर दिया है। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने हाल में कहा कि उनकी पार्टी अपनी मूल विचारधारा से नहीं डिगेगी तथा किसी भी हाल में भाजपा और आरएसएस से समझौता नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बारे में उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री होने के नाते विकास योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं। इसे डीएमके और भाजपा के बीच संबंध नहीं समझा जाना चाहिए। इस माह वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दो बार प्रधानमंत्री मोदी से मिल चुके हैं। प्रधानमंत्री से चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के लिए समय मांगा गया था। कहा जा रहा है कि भाजपा तेलुगु देशम की ओर कुछ झुकाव दिखाने लगी है।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और चंद्रबाबू नायडू की संक्षिप्त मुलाकात से यह स्पष्ट भी हुआ। ऐसे में प्रधानमंत्री और रेड्डी की मुलाकात अहम हो जाती है। इसमें आंध्र प्रदेश से जुड़े मसलों के साथ व्यक्तिगत से लेकर राजनीति तक हर मुद्दे पर चर्चा की संभावना है। हालांकि राज्य को धन आवंटित करने में केंद्र उदार रहा है, पर ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान होना है। इनमें पोलावरम बांध का निर्माण और पुनर्वास का विषय अहम है, जो राज्य के लिए सिरदर्द है। मुख्यमंत्री तीन राजधानियों के मुद्दे पर केंद्र का समर्थन भी मांग सकते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि उच्च न्यायालय द्वारा मार्च में अमरावती पर दिये गये फैसले को राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दे सकती है। जगन रेड्डी मानते हैं कि तीन राजधानियों के मामले में वर्तमान प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना मुख्य बाधा हैं। वह सेवानिवृत्त होने वाले हैं। फिर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी अगर केंद्र राज्य सरकार से सहयोग करेगा तो जगन को हाइकोर्ट के आदेश पर स्थगन मिल सकता है। यह एक मुद्दा हो सकता है, जिस पर शायद वे प्रधानमंत्री मोदी से बात करें।

शिक्षा का स्वदेशीकरण और सरकार

अशोक मधुप

देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर सरकार ने पारंपरिक भारतीय शैली में स्कूली पढ़ाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए नए भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया है। इस बोर्ड की कमान बाबा रामदेव के पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट को सौंपी है। प्रारंभ में ये बोर्ड शांतिकुंज से संचालित होगा। बाद में दिल्ली में मुख्यालय बनाया जाएगा। शिक्षा का 'स्वदेशीकरण' करने के लिए सीबीएसई की तर्ज पर एक राष्ट्रीय स्कूल बोर्ड स्थापित करने का विचार स्वामी रामदेव ने ही सरकार के सामने रखा था।

2015 में उन्होंने अपने हरिद्वार स्थित वैदिक शिक्षा अनुसंधान संस्थान के जरिए एक नया स्कूली शिक्षा बोर्ड शुरू करने का विचार प्रस्तुत किया। इस शिक्षा में महर्षि दयानंद की पुरातन शिक्षा और आधुनिक शिक्षा का मिश्रण करके भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना की जानी थी। शिक्षा मंत्रालय ने 2016 में यह प्रस्ताव खारिज कर दिया था लेकिन अब भारतीय शिक्षा बोर्ड के गठन की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया। ये भारतीय शिक्षा बोर्ड देश का पहला राष्ट्रीय स्कूल बोर्ड माना जाएगा। इसे सिलेबस तैयार करने, स्कूलों को संबद्ध करने, परीक्षा आयोजित करने और प्रमाण पत्र जारी करके भारतीय पारंपरिक ज्ञान का मानकीकरण करने का अधिकार होगा। यह आधुनिक शिक्षा को भारतीय परंपरा के अनुसार पढ़ाई कराएगा। रामदेव पहले ही प्राचीन और अर्वाचीन शिक्षा पद्धति देने के लिए आठवीं कक्षा तक के लिए आचार्यकुलम की स्थापना कर चुके हैं। पहले योजना थी कि इसी आचार्यकुलम को बड़ी कक्षाओं तक आगे बढ़ाया जाएगा। बाद में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने देश के अनेक शिक्षाविदों के साथ बैठक कर भारतीय वैदिक शिक्षा बोर्ड का ढांचा तैयार किया। बताया गया कि वैदिक शिक्षा बोर्ड देश का एकमात्र ऐसा बोर्ड होगा जो अपने से जुड़े विद्यालयों में वेदों की शिक्षा भी देगा। साथ ही धनुर्विद्या जैसे अनेक प्राचीन अवमान बोर्ड के पाठ्यक्रम में शामिल किए गए हैं। इस समय सीबीएसई बोर्ड द्वारा संचालित जितने भी पाठ्यक्रम मान्य हैं, वे सभी विषय वैदिक शिक्षा बोर्ड में समाहित कर लिए जाएंगे।

वैदिक शिक्षा बोर्ड के छात्र इंटर के बाद जिस भी क्षेत्र में जाना चाहेंगे उन्हें प्रवेश हासिल होगा। योजना तो अच्छी है किंतु अभी सब समय के गर्भ में है। सीबीएससी और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा नौ से 12 तक की कक्षाएं ही चलाता है। बाकी की मान्यता कॉलेज प्रदेशीय शिक्षा बोर्ड से लेते हैं। इनमें एक तरह से दुहरी पढ़ाई होती है। भारतीय परंपरा के साथ शिक्षा देने के लिए जरूरी होगा कि शिक्षा नर्सरी कक्षा से प्रारंभ की जाए। यहीं से बच्चों को भारतीय जीवन दर्शन और भारतीय आदर्श सिखाएं जाएं। शिक्षा के उद्देश्य की कामयाबी के लिए शिक्षक भी तैयार किए जाएं। ऐसे शिक्षक बनाए जाएं जो गुरु-शिष्य परंपरा को आगे बढ़ाएं। बताया गया है कि कोर्स तैयार है। इसमें समय के साथ परिवर्तन होता रहेगा। बड़ा काम होगा, इसके अनुरूप शिक्षक बनाना। उन्हें प्रशिक्षित करना। वे गुरु शिष्य परंपरा के अनुरूप आधुनिक शिक्षा भी दें। आज की शिक्षा मैकाले की शिक्षा पद्यति है। ये पद्यति स्कूली बच्चों को उनकी संस्कृति, इतिहास और सभ्यता से अलग करती है। वर्तमान में विद्यार्थियों को वेद, उपनिषद, रामायण, गीता और हिंदू धर्म ग्रंथ के बारे में नहीं पढ़ाया जाता था जबकि बड़ी तादाद में हिंदू परिवार ऐसा चाहते थे। इस वैदिक शिक्षा के भारतीय शिक्षा बोर्ड की अनुमति मिलने के बाद उम्मीद है कि अब छात्रों को उनकी परंपरागत शिक्षा भी मिल सकेगी। इस शिक्षा बोर्ड की स्थापना के बाद आर्य समाज द्वारा संचालित आचार्यकुलम, आरएसएस द्वारा संचालित विद्या भारती और गुरुकुल जैसे शैक्षिक संस्थानों को भी लाभ होगा। हो सकता है कि आगे इन सब की शिक्षा और आदर्श इसमें समाहित कर लिए जाएं। दरअसल इसके लिए समय-समय पर काम होते रहे किंतु व्यवधान आने के कारण फलीभूत नहीं हो सके। महर्षि महेश योगी ने इस दिशा में काम किया था। उन्होंने जनपद स्तर पर अपने स्कूल खोले। इसमें सीबीएससी बोर्ड की शिक्षा के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को ध्यान का अध्ययन भी कराया जाता था। भारतीय संस्कृति से विद्यालय जोड़ने की कोशिश हुई। किंतु वे विदेश में बैठे थे और उनके सिपहसालार यहां इस योजना से धन कमाने में लगे हुए थे। बाबा रामदेव की इस योजना को अमली जामा पहनाने वाले कैसे होंगे, ये समय के गर्भ में हैं, फिर भी आशा है कि ये मैकाले की शिक्षा से इतर भारतीयों के जीवन संस्कृति और दर्शन के अनुरूप होगी। शिक्षा रोजगार से जुड़ी रही है। हमारे समय में एमए में हिंदी और संस्कृत पढ़ने वाले ज्यादा थे। अंग्रेजी पढ़ने वाले कम मात्र दो या तीन ही। आज सब जगह अंग्रेजी की मांग है। इसी कारण अंग्रेजी में प्रवेश को लेकर मारामारी है। इस नए बोर्ड से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि वेद और संस्कृत को बढ़ावा मिलेगा। इसके पढ़ने वाले बढ़ेंगे। तभी पढ़ाने वाले आएंगे। देखना यह है कि इस नए बोर्ड का शिक्षा स्तर कैसा होगा? शिक्षक कैसे होंगे? मान्यता का क्या स्तर होगा? इस योजना से लाभ केंद्र की भाजपा सरकार को भी मिलेगा। सरकार के इस कदम से बीजेपी के उन असंतुष्ट समर्थकों की नाराजगी खत्म हो सकेगी, जो अब तक मानते रहे हैं कि वर्तमान सरकार ने संस्कृत शिक्षा, वेद शिक्षा व वेद पाठशालाओं को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया है। लंबे समय से 'वैदिक पाठशाला' और वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देने की मांग की जा रही है और यह उस मांग को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जुकाम से तुरंत राहत दिलाएंगे ये आसान घरेलू नुस्खे

बदलते मौसम के साथ सर्दी-जुकाम होना सामान्य है। बैक्टीरिया या वाइरल इंफेक्शन की वजह से सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ जाती है। जुकाम होने पर गले में खराश, नाक बहना और बंद नाक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग इन छोटी-मोटी परेशानी के लिए दवाइयां लेना पसंद नहीं करते। सीजनल इंफेक्शन के कारण होने वाले जुकाम में दवा की अपेक्षा घरेलू चीजें अधिक फायदेमंद हो सकती हैं। खासकर किचन में यूज होने वाले मसाले, फल व सब्जियां जुकाम के बैक्टीरिया को मारने में मदद कर सकती हैं। जुकाम में हल्दी एक औषधि का काम करती है। इसमें भरपूर मात्रा में इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं जो शरीर को गर्म रखने के साथ इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करती है। हल्दी के अलावा भी कई चीजें जुकाम ठीक करने में मदद कर सकती हैं।

सीजनल इंफेक्शन के कारण होने वाले जुकाम में दवा की अपेक्षा घरेलू चीजें अधिक हो सकती हैं फायदेमंद

गर्म चीजों का सेवन फायदेमंद

वेबएमडी के अनुसार जुकाम से निजात दिलाने के लिए मेडिसिन ही एकमात्र उपाय नहीं है। घर में यूज किए जाने वाले मसाले, फल और सब्जियां इसमें काफी फायदा पहुंचाते हैं। जुकाम होने पर गर्म चीजों का सेवन करने से शरीर को काफी आराम मिलता है। शरीर को गर्म रखने में हल्दी अहम भूमिका निभाती है। ऐसे ही लौंग व काली मिर्च बॉडी की इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकती है।

अदरक

जुकाम होने पर अदरक के रस का सेवन किया जा सकता है। अदरक कंजेशन को कम करने में मदद करता है और गले को आराम देता है। अदरक को चाय या काढ़े में डालकर पीया जा सकता है।

हल्दी

गुणों से भरपूर होने के कारण हल्दी को मेडिसिन के रूप में प्रयोग किया जाता है। हल्दी में इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती है जो शरीर का एनर्जी देने के साथ गर्म रखती है। हल्दी को पानी और दूध के साथ लेने से फायदा होता है।

ये चीजें भी बेहद फायदेमंद

लहसुन

लहसुन में इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं और जुकाम में इंफेक्शन से लड़ने में मदद करता हैं। लहसुन की कुछ कलियों का सेवन गले और नाक में होने वाली परेशानियों को कम कर सकता है।

रेड अनियन

रेड अनियन शरीर को गर्म करने में मदद करती है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो कॉमन कोल्ड से लड़ सकते हैं। इसके अलावा ब्रोकली, ग्रीन टी, ब्लू बैरी और क्रेनबेरीज का सेवन भी किया जा सकता है।

हंसना मना है

एक बाबा किसी महफिल में गए, वहां सब उनका मजाक उड़ाने लगे। बाबा ने कहा- देखो हम फकीर लोग हैं, हमारा मजाक न उड़ाएं लोग खूब हंसे... अचानक उन सबको दिखना बंद हो गया, वे अंधे हो गए वो सब बाबा के कदमों में गिर गए बाबा जी हमें माफ कर दो बाबा ने जूता उतारा और सबके एक-एक मारा और बोले सालों लाइट चली गई है, कोई जेनरेटर ऑन करो मुझे भी दिखाई नहीं दे रहा है...

संता ने पूछा बंता से- बंता भईया जिसको सुनाई नहीं देता, उसको क्या कहते हैं ? बंता बोला- कुछ भी कह लो भईया जब उसे सुनाई ही नहीं देता।

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं। सहेली- तो अब क्या करेगी तू... महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं...

लड़का गर्लफ्रेंड के घर के बाहर खड़ा था तभी आंटी बाहर आयी आंटी-क्यों खड़े हो ? लड़का-ऐसे ही आंटी-बेटा यही उम्र है, थोड़ा पढ़ो लिखो कैरियर सेट कर लो लड़का-आपकी लड़की तो मेरे से सेट हो नहीं रही, कैरियर क्या खाक सेट करूंगा...

कहानी | घमंड का सिर नीचा

एक गांव में उज्वलक नाम का ब?ई रहता था। वह बहुत गरीब था। ग़रीबी से तंग आकर वह गांव छो?कर दूसरे गांव के लिये चल प?ा। रास्ते में घना जंगल प?ता था। वहां उसने देखा कि एक ऊंटनी प्रसवपी?ा से त?फ?ा रही है। ऊँटनी ने जब बच्चा दिया तो वह उँट के बच्चे और ऊँटनी को लेकर अपने घर आ गया। वहां घर के बाहर ऊँटनी को खूटी से बांधकर वह उसके खाने के लिये पत्तों-भरी शाखायें काटने वन में गया। ऊँटनी ने हरी-हरी कोमल कोंपलें खाईं। बहुत दिन इसी तरह हरे-हरे पत्ते खाकर ऊंटनी स्वस्थ और पुष्ट हो गई। ऊँट का बच्चा भी ब?कर जवान हो गया। ब?ई ने उसके गले में एक घंटा बांध दिया, जिससे वह कहीं खोया न जाय। दूर से ही उसकी आवाज सुनकर ब?ई उसे घर लिवा लाता था। ऊँटनी के दूध से बढ़ई के बाल-बच्चे भी पलते थे। ऊँट भार ढोने के भी काम आने लगा । उस ऊँट-ऊँटनी से ही उसका व्यापर चलता था। यह देख उसने एक धनिक से कुछ रुपया उधार लिया और गुर्जर देश में जाकर वहां से एक और ऊँटनी ले आया । कुछ दिनों में उसके पास अनेक ऊँट-ऊँटनियां हो गईं। उनके लिये रखवाला भी रख लिया गया । ब?ई का व्यापार चमक उठा। घर में दुधकी नदियाँ बहने लगीं। शेष सब तो ठीक था----किन्तु जिस ऊँट के गले में घंटा बंधा था, वह बहुत गर्वित हो गया था। वह अपने को दूसरों से विशेष समझता था। सब ऊँट वन में पत्ते खाने को जाते तो वह सबको छो?कर अकेला ही जंगल में घूमा करता था। उसके घंटे की आवाज़ से शेर को यह पता लग जाता था कि ऊँट किधर है। सबने उसे मना किया कि वह गले से घंटा उतार दे, लेकिन वह नहीं माना। एक दिन जब सब ऊँट वन में पत्ते खाकर तालाब से पानी पीने के बाद गांव की ओर वापिस आ रहे थे, तब वह सब को छो?कर जंगल की सैर करने अकेला चल दिया। शेर ने भी घंटे की आवाज सुनकर उसका पीछा किया। और जब वह पास आया तो उस पर झपट कर उसे मार दिया।

सीख: घमंड का सिर नीचा।

11 अंतर खोजें

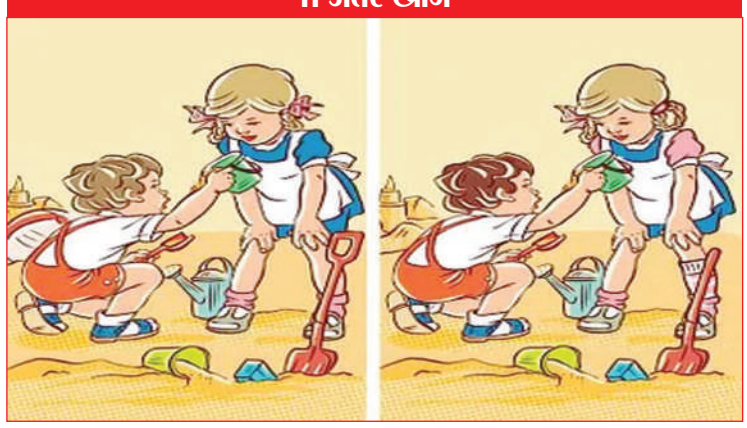

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र सफलता प्राप्त करेंगे। अगर कोर्ट में कोई संपत्ति संबंधी मामला है तो वह आपके पक्ष में जाएगा। करियर में वांछित परिणाम आपको आत्मविश्वास की एक नई भावना से भर देंगे।

वृषभ

आज आपका वैवाहिक जीवन उमदा रहेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बनायेंगे। आज अगर आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन

आज प्रशासनिक एवं राजनीतिक मामले आप के पक्ष में रहेंगे। आज आप अतिरिक्त जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले सकते हैं, जो आपके लिए आय और प्रतिष्ठा का सबब साबित होगी।

कर्क

आप नियमों का पालन करने के लिए बाध्य है। आपके कुछ वरिष्ठ खुले तौर पर अनैतिक हो सकते हैं और अपनी संभावनाओं को अवरुद्ध करने का प्रयास कर सकते हैं।

सिंह

आज आप किसी पुरानी बात को लेकर परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आपके मन में किसी बात को लेकर शक बना रह सकता है। आज घर पर अचानक से कोई मित्र आ सकता है।

कन्या

जीवनसाथी के साथ खरीदारी मजेदार रहेगी। भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। दूसरे की बात सुनने में भी आपको थोड़ा धैर्य रखना होगा।

तुला

आपको अपने गुप्त शत्रुओं द्वारा बनाई गई कुछ छोटी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों के साथ व्यवहार करते समय आपको सावधान रहना चाहिए और उन्हें विरोधी नहीं बनाना चाहिए।

वृश्चिक

आज कुछ लोगों से आपको पूरा समर्थन मिलेगा। ऑफिस के काम से संबंधित आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। ये यात्रा फायदेमंद रहेगी। पैसों के संबंध में अच्छी खबर मिल सकती है।

धनु

मायके से लाभदायी समाचार प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। सरकारी क्षेत्र में लाभ होगा तथा आर्थिक क्षेत्र में भी सफलता प्राप्त होगी।

मकर

आप नाम और शोहरत हासिल करेंगे। आपके विरोधी निष्क्रिय रहेंगे और आपको महत्वपूर्ण अधिकारियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी और आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी।

कुम्भ

आज आपकी ऊर्जा का स्तर बेहतर रहेगा। आज आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। किसी नये प्रोजेक्ट पर काम करने से आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

मीन

आज आपके परिवार में खुशी का माहौल रहेगा लेकिन आपका रुखा बर्ताव घर का माहौल तनावपूर्ण बना सकता है। मित्रों के ऊपर धन खर्च होगा। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख बात न कहें।

बॉलीवुड | मन की बात

कंटेंट पर काम करो, इसी से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चलेगी : ढोलकिया

बॉलीवुड फिल्में लगातार बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रही हैं। कार्तिक आर्यन की भूलभुलैया-2 के अलावा लंबे समय से कोई भी फिल्म ने ऑडियंस को इम्प्रेस नहीं कर पाई है। इसका कारण बॉलीवुड फिल्मों में कमजोर कंटेंट और कमजोर कहानी को माना जा रहा है। इसी बीच रईस फिल्म के डायरेक्टर राहुल ढोलकिया ने बॉलीवुड को फिल्म हिट कराने का फार्मूला बताया है, जिसने बॉलीवुड को बचाया जा सके। निर्देशक ने यह सलाह अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए दी है, जिस पर यूजर्स रिएक्ट कर रहे हैं। राहुल ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि इंडस्ट्री के लिए मेरी सलाह है कि हमें इन बातों पर ध्यान रखना चाहिए, जिससे फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चलें। अच्छी फिल्में बनाएं। प्रोडक्शन की लागत कम करें। फिल्म टिकट के दाम घटाएं। तीन महीने से पहले फिल्म को ओटीटी पर न रिलीज ना करें। इंडस्ट्री को बेहतर बनाने के लिए छोड़ें घमंड, सभी को साथ लेकर चलें। शायद इन टिप्स को फॉलो करने से कुछ मदद हो सके। राहुल ढोलकिया का नाम बॉलीवुड दमदार फिल्ममेकर्स में से एक है। वो हमेशा विषय आधारित फिल्मों पर ही काम करते हैं। साल 2006 में राहुल ने परजानिया फिल्म का निर्देशन किया था, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, सारिका और जाकिर हुसैन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। साल 2007 में राहुल को इस फिल्म के डायरेक्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। परजानिया के अलावा राहुल रईस और लम्हा जैसे फिल्में डायरेक्ट कर चुके हैं, जिसे ऑडियंस ने पसंद किया है। ऐसे में उनकी ये टिप्स बॉलीवुड के काम आ सकती हैं।

बेटी के साथ वीकएंड एंजॉय करती दिखीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपने नाम का डंका बजाने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपने काम को लेकर तो कभी अपनी निजी जिंदगी के चलते प्रियंका आए दिन मीडिया हेडलाइन्स में छाई रहती हैं। ग्लोबल आईकॉन बन चुकी प्रियंका कई हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री आए दिन फैंस के साथ खुद से जुड़े हर तरह के अपडेट्स साझा करती रहती हैं। इसी बीच आज प्रियंका ने फैंस के साथ बेटी के साथ एक तस्वीर साझा की है। दरअसल, हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा के साथ एक तस्वीर साझा की है। इसी साल मां बनी अभिनेत्री अक्सर अपने परिवार के साथ समय बिताती नजर आती हैं। ऐसे में एक बार फिर प्रियंका ने अपना यह वीकएंड बेटी के साथ एंजॉय किया। लेकिन एक बार फिर अभिनेत्री ने अपनी नन्ही परी का चेहरे फैंस से छिपा लिया है। साझा की गई तस्वीर में मालती अपनी मां प्रियंका की गोदी में बैठी हुई नजर आ रही हैं। हालांकि वह कैमरे की तरफ नहीं देख रही हैं। प्रियंका इन दिनों लगातार बेटी मालती की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर रही हैं। इसी क्रम में आज तस्वीर साझा करते हुए प्रियंका ने लिखा कि

प्यार जैसा कोई और कुछ नहीं। अभिनेत्री के फैंस मां-बेटी की इस तस्वीर पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। फैंस

बॉलीवुड | मसाला

लगातार कमेंट कर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और इनमें से कुछ ऐसे हैं, जो प्रियंका से मालती का चेहरा दिखाने की अपील भी कर रहे हैं। फैंस के साथ-साथ तस्वीर पर सेलेब्स भी कमेंट कर रहे हैं। प्रियंका फिलहाल बीते दो सालों से बॉलीवुड से दूर है, हां, एक्टिव रहती हैं।

बार-बार कर रहें हैं कॉल, फिल्मफेयर पर केस करेंगी कंगना रनौत

अपने बयानों से बॉलीवुड में तहलका मचाने वाली कंगना ने फिल्मफेयर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का फैसला लिया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी शेयर करते हुए फिल्मफेयर के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है। दरअसल फिल्मफेयर ने कंगना को अपने एक अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया है, जो उनके ऊपर भारी पड़ सकता है। जहां बाकी स्टार्स फिल्मफेयर जीतने को अचीवमेंट मानते हैं, वहीं कंगना नॉमिनेशन से नाराज हो गई हैं। 67 वें फिल्मफेयर के नॉमिनेशन की लिस्ट जारी कर दी गई है। जिसमें बेस्ट एक्टर के लिए रणवीर सिंह को फिल्म 83 और बेस्ट एक्ट्रेस के कैटगरी में कंगना रनोट को फिल्म थलाइवी को नॉमिनेट किया गया है। इसे लेकर वो नाराज हो गई हैं। कंगना ने इंस्टा स्टोरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं हैरान हूं कि फिल्मफेयर वाले मुझे नॉमिनेट कर रहे हैं। लेकिन मैं किसी भी भ्रष्ट और अनैतिक अवार्ड सेरेमनी का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं। यह मेरी गरिमा के खिलाफ है, इसलिए मैंने फिल्मफेयर पर मुकदमा करने का फैसला लिया है। इंस्टाग्राम पर कंगना ने कहा कि मैंने साल 2014 में फिल्मफेयर को बैन कर दिया है। वह भ्रष्ट और अनैतिक अवार्ड है, इसलिए मैं उसका हिस्सा नहीं बनूंगी। एक्ट्रेस ने लिखा कि मुझे फिल्मफेयर की तरफ से कई कॉल्स आ रहे हैं।

अजब-गजब | किसी को था गुड्डा-गुड़ियों से तो किसी को था मोटी औरतों से प्यार

इन राजाओं के थे अजीबोगरीब शौक, जानकर हो जाएंगे हैरान

पुराने राजा-महाराजाओं के बारे में अक्सर कई सारी रोचक बाते सुनने को मिलती है। इन किस्सों में कई राजाओं की महानता के बारे में बताया जाता है, तो वहीं कई राजाओं की क्रूरता के बारे में सुनने को मिलता है। वहीं कई बार उनके अलग तरह के व्यक्तित्व के बारे में भी बताया जाता है। आज हम आपको कुछ विदेशी राजाओं से जुड़े ऐसे किस्सों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इससे आपको पता चलेगा कि गुजरे जमाने के राजाओं के कैसे-कैसे शौक हुआ करते थे।

बात की जाए, साल 1825 से लेकर 1855 तक रूस के राजा रहे निकोलस-1 की, तो कहा जाता है कि वह स्वभाव से बेहद सादा थे। उन्हें शराब, सिगरेट, तंबाकू जैसी कोई भी बुरी आदत नहीं थी। वहीं उन्हें मीठे से सख्त नफरत थी, जबकि उन्हें खाने के साथ अचार बेहद पसंद था। उन्हें अचार इतना पसंद था कि वह नाश्ते में चाय, ब्रेड और खीरे का 5 अचार खाया करते थे। वहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि भले ही वह रात का भोजन न करें लेकिन खीरे का अचार जरूर खाते थे। पीटर-3 ने साल 1762 में कुछ महीनों

के लिए रूस पर राज किया। इसके बाद उनकी पत्नी कैथरी द ग्रेट को सारा कार्यभार सौंप दिया गया। इसके पीछे की वजह जानकर आपको काफी हैरानी होगी। दरअसल, कहा जाता है कि पीटर-3 खिलौनों के पीछे पागल थे। पीटर को बच्चों के खिलौने और गुड्डे-गुड़िया से खेलना बहुत पसंद था। बताया जाता है ये पागलपन इस हद तक था कि एक बार एक चूहे ने उनकी गुड़िया का सिर काट दिया था, जिसके बाद पीटर-3 ने चूहे को फांसी की सजा सुनाई। इन सभी हरकतों के चलते सारा कार्यभार उनकी पत्नी को दे दिया गया। बात करें तुर्क साम्राज्य यानी ओटोमन साम्राज्य के सुल्तान इब्राहिम-1 की, तो उनकी सनक सबसे अलग थी। 1600 के शुरुआती वक्त में इब्राहिम-1 तुर्क साम्राज्य के शासक रहे। उनका बचपन काफी कष्टदायक था, उन्हें बिना खिड़की वाले कमरे में बंद करके रखा जाता था, जिससे वह काफी हिंसक स्वभाव का हो गया। यही कारण है कि उसे दूसरों को प्रताड़ित करना अच्छा लगता था। वहीं अजीबोगरीब बात तो ये है कि उसे मोटी महिलाओं से प्यार था और ये प्यार हद पार कर चुका था। दरअसल, उसने मोटी औरतों का हरम भी बनवाया था। साथ ही उसके 3 औरतों से बच्चे भी थे। हेनरी-8 ने 1509 से 1547 तक इंग्लैंड पर राज किया। इसके साथ भी एक अजीब किस्सा जुड़ा है। जैसे-जैसे हेनरी-8 की उम्र बढ़ने लगी, वैसे-वैसे उसे आभास होने लगा कि कोई उसे मारना चाहता है, जिसने उसे पागल बना दिया था। उसकी रोजमर्रा की चीजों में जहर मिलाकर कोई उसे मार न दे इस डर से वह अपने नौकरों को अपनी चादर-तकिया आदि चूमने के लिए देता था।

इस गांव में इंसान नहीं कुत्ते हैं करोड़पति कैसे करते हैं हर साल करोड़ों की कमाई

देशभर में आपने कई जमींदार देखें होंगे लेकिन, आज हम आपको ऐसे जमींदारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। गुजरात के मेहसाणा स्थित पंचोट गांव में एक खास तरह के जमींदार हैं, जिनके बारे में सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल ये जमींदार कोई इंसान नहीं बल्कि कुत्ते हैं। जी हां, ये सुनने में भले की अजीब लग रहा हो लेकिन ये बात बिल्कुल सच है। इस गांव में मौजूद कुत्ते करोड़पति हैं। अगर आप ये सोच रहे हैं कि ये कुत्ते आखिर करोड़पति कैसे हो सकते हैं तो बता दें कि ये कुत्ते गांव में ट्रस्ट के नाम पड़ी जमीन से करोड़ों कमाते हैं। दरअसल, पिछले करीब एक दशक से जब से इस गांव की जमीनों के दाम आसमान छूने लगे हैं, मेहसाणा बाईपास बनने का सबसे बड़ा फायदा गांव के कुत्तों को हुआ है। मढ़ नी पती कुतरिया ट्रस्ट के पास गांव की 21 बीघा जमीन है। खास बात ये है कि इस जमीन से होने वाली आय कुत्तों के नाम कर दी जाती है। इस जमीन की कीमत की बात करें, तो बाईपास के पास होने की वजह से इसकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये प्रति बीघा है। वहीं इस ट्रस्ट के पास करीब 70 कुत्ते हैं। ऐसे में हर कुत्ते के हिस्से में लगभग एक-एक करोड़ रुपये आते हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष छगनभाई पटेल की माने तो, कुत्तों में ट्रस्ट का हिस्सा बांटने की परंपरा की जड़ गांव की सदियों पुरानी जीवदया प्रथा से जन्मी है, जो आज तक चलती आ रही है। असल में इस परंपरा की शुरुआत अमीर परिवारों ने की, जो दान दिए गए जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों से आरंभ हुई थी। हालांकि, उस समय जमीनों की कीमत इतनी अधिक नहीं थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि कई मामलों में लोगों ने टैक्स न चुका पाने की स्थिति में जमीन दान कर दी। इस जमीन का रख-रखाव पटेल किसानों के एक समूह ने करीब 70-80 साल पहले शुरू किया था, जो आज तक जारी है। ट्रस्ट के पास लगभग 70 साल पहले यह जमीन आई थी। बताया जाता है कि समय के साथ जैसे-जैसे गांव का विकास होता गया, जमीन के दाम बढ़ने लगे। ऐसे में लोगों ने भी जमीन दान करना बंद कर दिया। इन दान की गई जमीनों से होने वाली कमाई का उपयोग गांव में मौजूद कुत्तों और अन्य जानवरों की देख-रेख करने के लिए किया जाता है।

मनीष सिसोदिया के खुलासे के बाद सदमे में भाजपा : संजय सिंह

भाजपा का महाराष्ट्र, कर्नाटक का प्रयोग दिल्ली में फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश व गोवा में विधायक तोड़कर सरकार बनाई, मगर दिल्ली में भाजपा का यह प्रयोग पूरी तरह से फेल हो गया है क्योंकि भाजपा ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अपने साथ लेने के लिए उनके घर पर छापामारी कराई है। मनीष सिसोदिया के खुलासे के बाद भाजपा सदमे में है। उसके पास कोई जवाब नहीं है।

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी आंदोलन की कोख से निकली हुई पार्टी है। यहां भाजपाइयों के प्रयास कभी सफल होने वाले नहीं है। भाजपा शासित केंद्र सरकार की फर्जी और झूठी कार्रवाईयों को पूरा देश देख रहा है और समय आने पर जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल और गोवा सहित पूरे देश में विपक्षी सरकारों को गिराने, विधायक खरीदने और तोड़ने के चलाए सिलसिले में सबसे बड़े हथियार के तौर पर सीबीआई और ईडी का उपयोग किया था। वह दिल्ली में भी ये प्रयोग करना चाहते थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार में तोड़फोड़ करने के लिए मनीष सिसोदिया से कहा कि सभी की तरह तुम्हारी भी ईडी, सीबीआई की जांच खत्म हो जाएगी, मगर मनीष सिसोदिया ने साफ कह दिया कि हम महाराणा प्रताप के वंशज हैं, ऐसे टूटने और भागने वाले नहीं हैं। हम तुमसे लड़ेंगे और तुम्हारी एक-एक कार्रवाई का जवाब देंगे।

टिकटॉक स्टार व भाजपा नेत्री सोनाली फौगाट का निधन

» गोवा में हार्ट अटैक से हुई मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा नेत्री, बिग बॉस फेम और टिकटॉक स्टार सोनाली फौगाट की गोवा में हार्ट अटैक से मौत हो गई है। उनके भाई वतन ढाका ने मौत की खबर की पुष्टि की है। उनकी एक बेटी है। वहीं सोनाली फौगाट की मौत की सूचना पर उनका परिवार भूत्थन से गोवा के लिए रवाना हो गया है। 2016 में सोनाली के पति संजय फौगाट भी फार्म हाउस में मृत मिले थे।

फतेहाबाद के भूत्थन खुर्द में ढाका परिवार की बेटी सोनाली 22 से 25 तक अपने पूर्व निर्धारित गोवा टूर पर थी। वे अपने टिकटॉक वीडियो से चर्चा में रहती थीं। सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत साल 2006 में एंकरिंग से की थी। वह हिसार दूरदर्शन के लिए एंकरिंग करती थीं। दो साल बाद 2008 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। 2019 में भाजपा की टिकट पर आदमपुर से विधान सभा का चुनाव लड़ा था। सोनाली पंजाबी और हरियाणवी फिल्में, म्यूजिक वीडियोज कर चुकी थी। उन्होंने साल 2019 में फिल्म छोरियां छोरों से कम नहीं होती में काम किया था। यह उनकी पहली फिल्म थी।

गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा के इस्तीफे पर नसीहत

वरिष्ठ नेताओं की चिंता सुने कांग्रेस हाईकमान : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीते एक सप्ताह में कांग्रेस को दिग्गज नेताओं की ओर से जम्मू कश्मीर से लेकर हिमाचल तक में झटके लगे हैं। इस बीच हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने भी कांग्रेस नेतृत्व को सलाह दी है कि वह वरिष्ठ नेताओं की चिंताओं को सुने। गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर कांग्रेस की चुनाव समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आनंद शर्मा ने भी हिमाचल प्रदेश की चुनाव समिति से इस्तीफा दे दिया था। दोनों नेताओं की राय थी कि वह राष्ट्रीय राजनीति में रह चुके हैं और प्रदेश के मामलों की समिति में रखना एक तरह से उनका डिमोशन है।

भूपिंदर सिंह हुड्डा का कहना है कि हाईकमान को नेताओं के कद के अनुसार उन्हें काम देना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह वक्त ऐसा है, जब पार्टी को एकजुट और मजबूत रहने की जरूरत है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा ने कांग्रेस की चुनाव समितियों से इस्तीफा दे दिया। मैं पार्टी

हाईकमान से अपील करता हूं कि वह इन दोनों नेताओं के कद को देखते हुए उनकी बातों को सुने और समस्याओं के समाधान तलाशे। यह जरूरी है कि कांग्रेस को इस वक्त एकजुट और मजबूत रखा जाए। गुलाम नबी आजाद ने यह कहते हुए इस्तीफा दिया था कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, वह उनके कद के मुताबिक ठीक नहीं है। इसके अलावा आनंद शर्मा ने आरोप लगाया था कि उनके गृह राज्य में चुनाव को लेकर उनसे कोई राय नहीं ली गई। बिना किसी चर्चा के ही उन्हें यह पद दे दिया गया। हुड्डा उन 23 नेताओं में रहे हैं, जिन्होंने पार्टी में सुधार के लिए सोनिया गांधी को पत्र लिखा था।

अमीरात एक्सेलेंसी अवार्ड से नवाजे गए प्रमोद गुप्ता

» दुबई में आयोजित किया गया सम्मान समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुबई में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रमोद गुप्ता को अमीरात एक्सेलेंसी अवार्ड 2022 दुबई से नवाजा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुबई किंग पैलेस के सीईओ अहमद अल मतवाली और संयुक्त राज्य अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास के कांसुलेट जनरल ब्रूस एल्सवर्थ ने प्रमोद गुप्ता को यह अवार्ड प्रदान किया। इस मौके पर दुबई, अबुधाबी और यूएक्यू के शाही परिवार के सदस्यों के साथ संयुक्त अरब अमीरात, भारत सहित कई देशों की बड़ी हस्तियां और मीडिया कर्मी मौजूद रहे। प्रतिष्ठि पुरस्कार से नवाजे जाने के बाद प्रमोद गुप्ता ने आयोजक चंद्रशेखर भाटिया और चैंबर ऑफ कॉमर्स दुबई का आभार जताया है।

आठवले ने फेंका चुनावी पासा बोले एनडीए में आ जाए बीजद

» बीजद प्रमुख नवीन पटनायक से की अपील

» लोक सभा चुनाव में एनडीए को मिलेगी बड़ी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक से भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने दावा किया कि अगर ऐसा होता है तो इससे क्षेत्रीय पार्टी को बहुत फायदा होगा।

आठवले ने कहा कि बीजू जनता दल ने एनडीए सरकार की बहुत मदद की है। संसद के दोनों सदनों में कई अहम बिल पास करने में उसका सहयोग मिला है। अगर नवीन पटनायक एनडीए से हाथ मिलाते हैं तो 2024 के चुनावों में बीजद को बहुत लाभ मिलेगा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ओडिशा के लिए और अधिक फंड मंजूर कर सकती है। रामदास आठवले ने कहा कि 2024 के लोक सभा चुनाव में एनडीए बड़े नंबर के साथ आगे आएगी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार ने बिहार में हाल के दिनों में एनडीए का साथ छोड़ दिया है लेकिन उनकी पार्टी भविष्य में दोबारा बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा बन सकती है। नीतीश के एनडीए से अलग होने का कोई भी असर 2024 के चुनावों में होने वाले गठबंधन पर नहीं पड़ेगा। एनडीए अगले लोक सभा चुनाव में कम से कम 350 सीटें जीतेगी। वहीं बीजद नेताओं की ओर से अभी तक आठवले के बयान पर प्रतिक्रिया नहीं आई है। मालूम हो कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने बीजद की इस बात को लेकर कई बार आलोचना की है कि वह अक्सर मोदी सरकार के समर्थन में खड़ी हो जाती है। हालांकि, नवीन पटनायक पिछले कई सालों से बीजेपी और कांग्रेस दोनों से ही एक निश्चित दूरी बनाते आए हैं।

पीएम उम्मीदवार की लाइन में हैं नीतीश!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाल ही में बिहार में हुए सियासी बदलाव के बाद कहा जा सकता है कि 2024 में होने वाले लोक सभा चुनावों पर भी बड़ा असर पड़ेगा। अटल बिहारी वाजपेयी के समय से लेकर मोदी के समय तक की एनडीए में बदलाव हुआ है, पहले एनडीए की अहम कड़ी माने जाने वाली शिवसेना अकाली दल और जेडीयू सभी उससे अलग हो चुकी है क्या सभी विपक्ष साथ मिलकर बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए महागठबंधन बना पायेगा। ऐसे में बड़ा सवाल उठता हैं कि कौन रहेगा बेहतर विपक्ष का चेहरा। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार धनंजय कुमार, विवेक देशपांडे, प्रो. सुधांशु कुमार, प्रो. रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा कि ममता बनर्जी, केसीआर प्रयास कर रहे हैं। मगर विपक्ष अभी एकजुट नहीं हो पा रहा है। केजरीवाल ने अभी तक विपक्ष के साथ जाने की कोशिश नहीं की। हां, नीतीशजी हो सकते हैं चेहरा। धनंजय कुमार ने कहा ये जो चुनाव होने वाला है मोदी वर्सेज विपक्ष। नीतीश कुमार के साथ आने से जो विपक्ष में माहौल बना है तो काबिलेतारीफ है। नीतीश जानते हैं कि सत्ता संतुलन कैसे किया जाता है। वे चेहरा हो सकते हैं। विवेक देशपांडे ने कहा कि मोदी के हाथ में सब कुछ है, संघ के हाथ में नहीं है तो नाराज होने से भी क्या होगा। संघ चाहेगा 24 में सत्ता में मोदी आए।

प्रो. रविकांत ने कहा कि ये उम्मीद सिर्फ विपक्ष में ही नहीं, जमात में भी है, पब्लिक में है, जो नरेंद्र मोदी सरकार से प्रताड़ित हैं, वो भी उम्मीद की करवट देख रहे हैं। बिहार से एक नए राजनीतिक सूर्य का उदय हुआ है। नीतीश को लेकर तेजस्वी ने खुद कहा कि वो पीएम के उम्मीदवार हो सकते हैं।

नोएडा के बिल्डर कात्याल ने 425 फ्लैट खरीदारों को हर कदम पर दिया धोखा

चेतन गुप्ता

लखनऊ। लोगों को उनका आशियाना दिलाने और संपत्तियों की खरीद-फरोख्त में दलाली करने वाला एक एजेंट हनी कात्याल अचानक एक बड़ा बिल्डर बन गया। जिसने अपना खुद का पहला और एक बड़ा प्रोजेक्ट लांच किया और जरूरतमंद लोगों को उनके घर का सपना दिखाया। सैकड़ों लोग इसके बहकावे में आ गए और अपने जीवन की गाढ़ी कमाई फ्लैट खरीदने में लगा दी। अब फ्लैट के खरीदार खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और दर-दर शिकायत करने के बाद भी उनको कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। जिम्मेदार सरकारी संस्थाओं के अधिकारियों-कर्मचारियों की बिल्डर से मिलीभगत व फ्लैट ऑनर्स के हितों की अनदेखी अपने आप में तमाम बड़े सवाल खड़े कर रही है। पूरा मामला यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) से जुड़े होने के चलते प्रदेश सरकार के कद्दावर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की चौखट तक पहुंचा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नंदी ने फ्लैट ऑनर्स को अगले सप्ताह अपने आवास पर बुलाया है।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

एक सपना घर हो अपना इस सोच के साथ ग्रेटर नोएडा में फॉर्मूला वन रेस ट्रैक के करीब 425 लोग नोएडा के चर्चित बिल्डर हनी कात्याल के बहकावे में आ गए और उसके प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक करा कर अपने जीवन की गाढ़ी कमाई फंसा दी। ग्रेटर नोएडा में फॉर्मूला वन रेस ट्रैक, प्रस्तावित फिल्म सिटी, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास आपका अपना सपनों का घर वो भी महज 30 लाख से 60 लाख रुपए के बीच तो शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो इस झांसे में ना आए। इसी का फायदा उठाया मुरादाबाद के रहने वाले बिल्डर हनी कात्याल ने। कुछ समय पहले तक रियल इस्टेट के क्षेत्र में ब्रोकर की पहचान रखने वाले हनी ने देखते ही देखते पिछले कुछ सालों में अपनी पत्नी साक्षी कात्याल व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कागजों में करीब 37 कंपनियां खड़ी कर दी। उनमें से एक कंपनी है मैसर्स रॉयल होम टाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड। जिसने यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) के जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2013 में हाउसिंग प्रोजेक्ट बीटल लैप फेस वन और टू लांच किया। जिसमें 1 बीएचके, 2 बीएचके, 3 बीएचके साथ में सर्वेंट रूम महज 30 लाख से 60 लाख रुपए में देने का ग्राहकों से वादा किया। प्रोजेक्ट की शुरुआत से लेकर अब तक बिल्डर ने ग्राहकों के साथ सिर्फ छलावा ही छलावा किया। कभी फ्लैट के एरिया को लेकर, तो कभी रेट को लेकर तो कभी मनमाने ढंग से मेंटीनेंस चार्ज थोप कर। वास्तविक कारपेट एरिया और सुपर एरिया की गणना में धांधली की।

कारपेट व सुपर एरिया में 90 प्रतिशत का अंतर है। फ्लैट के सुपर एरिया में भी नियम के विपरीत 8 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। खरीदारों पर अतिरिक्त बोझ लाद दिया है पर सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं। खरीदारों का आरोप है कि बिल्डर ने उत्तर प्रदेश भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) व मूल विक्रय अनुबंध का भी उल्लंघन किया है। खरीदारों को बिल्डर ने पहला झटका तब दिया जब उसने प्रोजेक्ट का उत्तर प्रदेश भू संपदा नियामक प्राधिकरण में पंजीकरण कराया। बुकिंग के समय खरीदारों को 2018 में कब्जा देने का दावा करने वाले बिल्डर ने रेरा पंजीकरण में कब्जा देने की समय-सीमा मनमाने तरीके से बढ़ाकर जून 2019 कर दिया।

आरोपों से घिरे चर्चित बिल्डर हनी कात्याल

प्रोजेक्ट अधूरा, खरीदारों पर रजिस्ट्री का दबाव

करीब नौ साल में फ्लैट के लाखों रुपए वसूलने के बावजूद बिल्डर ने अब तक प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया है। प्रोजेक्ट पूरा किए बगैर खरीदारों पर रजिस्ट्री का बिल्डर दबाव बनाए है। यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से मिलीभगत कर बिल्डर ने कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी करा लिया। जबकि महज 60 फीसदी काम हुआ है। तब भी बिल्डर ने खरीदारों को आधी-अधूरी सुविधाओं संग फ्लैट का कब्जा व रजिस्ट्री का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जबकि प्रोजेक्ट तक जाने के लिए पक्का रास्ता तक नहीं है। मेंटेनेंस के नाम पर दो साल के एडवांस का भी दबाव खरीदारों पर बनाया जा रहा है। जबकि न सड़क है, न बिजली, न पानी है और ना ही कोई सीवेज सिस्टम। बावजूद इसके यमुना प्राधिकरण ने कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी कर दिया है जो कि आपमें बड़ा सवाल है।

13 फ्लैट खरीदारों को रजिस्ट्री करने के बाद भी अब तक नहीं दिया कब्जा

68 लोगों से फ्लैट की पूरी कीमत वसूलने के बाद भी रजिस्ट्री का अता-पता नहीं

> 2013 में हमारे जैसे सैकड़ों लोगों ने फ्लैट बुक कराए थे। बिल्डर ने विक्रय अनुबंध का उल्लंघन किया है व मनमाने नियम, शर्तें थोप रहा है। प्रोजेक्ट तीन साल लेट है। फ्लैट रहने लायक नहीं है। बिल्डर रजिस्ट्री के लिए दबाव डाल रहे हैं। खरीदार क्रेडाई, रेरा, यमुना प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे हैं। विभागीय मंत्री नंदी से गुहार लगाई है। - **रामेश्वर दयाल गुप्ता**, महासचिव,

> जेपी ग्रीन्स का प्रोजेक्ट है। जमीन को लेकर कुछ दिक्कते आ रही थी, जिसकी वजह से प्रोजेक्ट छह महीने से लेकर एक साल तक लेट हुआ। सारी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई है। एक परिवार शिफ्ट भी हो गया है। अब कोई रजिस्ट्री कराने के बाद भी शिफ्ट नहीं हो रहा तो उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता। सारे आरोप बेबुनियाद है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठकर सारी समस्याओं का समाधान कर दिया गया है। - **गुरप्रीत**, मार्केटिंग डिपार्टमेंट, रॉयल होम टाउन प्लानर्स प्रा. लि.

बिल्डर से खरीदारों ने बुक फ्लैट की रकम मांगी

46 फ्लैट खरीदारों ने राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार संरक्षण आयोग और यूपी रेरा में परिवाद दर्ज कराकर फ्लैट के मौजूदा बाजार दर से ब्याज समेत रकम वापसी की मांग की है। उत्तर प्रदेश भू संपदा विनियामक आयोग में भी शिकायत कर कब्जे और वित्तीय क्षतिपूर्ति की मांग की है। बिल्डर से परेशान खरीदारों ने बीटल लैप फ्लैट बायर एसोसिएशन का गठन कर अपने हक की लड़ाई तेज की है। करीब 46 खरीदारों ने राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार संरक्षण आयोग में बिल्डर के खिलाफ परिवाद दर्ज करा दिया है। उनका आरोप है कि खरीदारों की लामबंदी के चलते बिल्डर ने प्राधिकरण से सशर्त अधिभोग प्रमाण पत्र हासिल कर लिया। इसके जरिये बिल्डर ने खरीदारों पर आधी अधूरी सुविधाओं के साथ फ्लैट की रजिस्ट्री कराकर कब्जा लेने का दबाव बनाया है, लेकिन अधिकतर खरीदारों ने बिल्डर के इस दबाव को नकार दिया है। जब तक बिल्डर विक्रय अनुबंध के अनुसार तय सुविधाओं के साथ कब्जा नहीं सौंपता है तब तक फ्लैट खरीदारों की लड़ाई जारी रहेगी। बीटल लैप फ्लैट बायर एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट केके जायसवाल ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार संरक्षण आयोग और यूपी रेरा में परिवाद दर्ज करा दिया गया है। यमुना प्राधिकरण को भी पत्र भेजकर बिल्डर के खिलाफ कदम उठाने की मांग की गई है।

अतीक अहमद के बड़े बेटे ने किया सरेंडर, 2 लाख रुपये का है इनामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की सीबीआई स्पेशल कोर्ट में माफिया अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर ने सरेंडर कर दिया है। उस पर 2 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। उमर कई दिनों से फरार चल रहा था और उस पर रंगदारी मांगने का है। उसने देवरिया जिला बंद रहने के दौरान लखनऊ के व्यापारी से मारपीट मारपीट की थी। उमर की गिरफ्तारी के लिए कई जगह रेड चल रही थी। अब उमर ने खुद ही कोर्ट में सरेंडर कर दिया है।

कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मोहम्मद उमर, माफिया अतीक अहमद का सबसे बड़ा बेटा है। लखनऊ के प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल को अगवा कर देवरिया जेल में ले जाकर पिटाई करने के मामले में उसके खिलाफ दिसंबर 2018 में लखनऊ के कृष्णा नगर थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर करीब छह महीने बाद कृष्णा नगर थाने में दर्ज एफआईआर को ही आधार बनाते

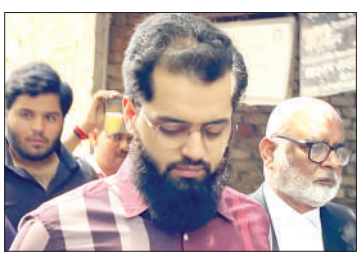

हुए सीबीआई लखनऊ की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस केस में अतीक अहमद के साथ ही उसके बेटे उमर, करीबी जफरउल्लाह, फारुख, जकी व गुलाम सरवर समेत 18 लोगों को नामजद किया गया। काफी तलाश के बाद भी नहीं मिलने पर उमर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराया गया। इसके कुछ दिनों बाद उस पर सीबीआई की ओर से दो लाख का इनाम घोषित किया गया, लेकिन फिर भी वह हाथ नहीं आया। उमर अपहरण कर जेल में पिटाई, रंगदारी समेत कई गंभीर धाराओं में दर्ज मामले का आरोपी है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शासन ने देर रात 15 आईपीएस के तबादले कर दिए। प्रतिनियुक्ति से वापस आए डीआईजी अब्दुल हमीद को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का डीआईजी बनाया गया है। इस फोर्स का गठन पहली बार किया गया है। 11वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर में तैनात सेनानायक अखिलेश कुमार को स्थापना में एसपी के पद पर तैनाती दी गई है।

15 आईपीएस के तबादले, डीआईजी की हुई तैनाती

बरेली में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पद पर तैनात रविंद्र कुमार को पुलिस कमिश्नरेट कानपुर में डीसीपी के पद पर तैनाती दी गई है। 12 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। लखनऊ में तैनात अनिल कुमार यादव का स्थानांतरण नोएडा कर दिया गया है। गाजियाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर को अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर लखनऊ में तैनाती दी गई है। अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी सैयद अली अब्बास को लखनऊ में ही तैनाती दे दी गई है। 2018 बैच के साद मियां को बरेली से नोएडा, मनीष कुमार शांडिल्य को अलीगढ़ से वाराणसी कमिश्नरेट, अंकिता शर्मा को नोएडा से कानपुर कमिश्नरेट, राहुल भाटी को गोरखपुर से बरेली, अभिषेक भारती को प्रयागराज से गाजीपुर, संदीप कुमार मीणा को मथुरा से मुरादाबाद लगाया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।